बैठक कार्यवृत्त (Meeting Minutes)

"मिशन शिक्षा शक्ति" के अंतर्गत प्रधानाचार्यों का उन्मुखीकरण
जनपद ऊधम सिंह नगर में बोर्ड परीक्षा परिणामों में सुधार हेतु

दिनांक: 30 अक्टूबर 2025 **स्थान:** DIET, ऊधम सिंह नगर

समय: प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 1:45 बजे तक **प्रतिभागी:** कुल 32

बैठक में सम्मिलित मुख्य शिक्षा अधिकारी, श्री के०एस० रावत एवं डायट प्राचार्य ऊधम सिंह नगर, डॉ० अजन्ता बिष्ट एवं प्रधानाध्यापक ऊधम सिंह नगर।

मुख्य शिक्षा अधिकारी, ऊधम सिंह नगर; DIET प्राचार्य; 4 DIET संकाय सदस्य; अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के 1 प्रतिनिधि तथा जनपद ऊधम सिंह नगर के चिन्हित 25 राजकीय इंटर कॉलेजों के प्रधानाचार्य, जिनके कक्षा 10 एवं 12 के बोर्ड परीक्षा 2025 के परिणाम 75% से कम रहे हैं

उत्तराखंड राज्य की **PARAKH राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2024 राज्य रिपोर्ट** के अनुसार जनपद ऊधम सिंह नगर के राजकीय उच्च विद्यालय एवं इंटर कॉलेज, निर्धारित कक्षाओं के लिए सुझाई गई दक्षताओं की प्राप्ति के संदर्भ में निम्न स्तर पर पाए गए हैं। इन निष्कर्षों पर चर्चा करने तथा बोर्ड परीक्षा परिणामों में सुधार हेतु कार्ययोजना विकसित करने के उद्देश्य से इस बैठक का आयोजन DIET द्वारा किया गया।

बैठक का शुभारंभ संकाय सदस्य **डॉ. एच.सी. शुक्ला** द्वारा स्वागत भाषण एवं कार्यसूची साझा करने के साथ हुआ। इसके पश्चात संकाय सदस्य **श्री आलोक मिश्रा** द्वारा परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2024 राज्य रिपोर्ट का विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत किया गया। उन्होंने कक्षा 6 एवं 9 के सर्वेक्षण निष्कर्षों तथा जनपद ऊधम सिंह नगर की रैंकिंग की जानकारी दी।

साथ ही कक्षा 9 के लिए गणित, विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान विषयों में सुझाए गए हस्तक्षेपों पर प्रकाश डाला, जैसे–

- **उन्नत साक्षरता विकास** – आलोचनात्मक पठन एवं चर्चा, शोध आधारित लेखन कार्य, तर्कात्मक लेखन आदि
- **गणितीय अवधारणाओं में दक्षता** – वास्तविक जीवन में अनुप्रयोग, डाटा व्याख्या अभ्यास, बीजीय समस्या समाधान कौशल
- **STEM एवं परियोजना आधारित अधिगम**
- **आलोचनात्मक चिंतन का विकास**
- **डिजिटल साक्षरता एवं मीडिया विश्लेषण**
- **कैरियर अन्वेषण एवं अनुप्रयुक्त कौशल**

इसके बाद DIET प्राचार्य **डॉ. अंजता बिष्ट** ने प्रतिभागियों को संबोधित किया। उन्होंने सभी प्रधानाचार्यों से कम्पार्टमेंट परीक्षा के बाद विद्यालयवार बोर्ड परीक्षा परिणामों में हुई वृद्धि का विवरण साझा करने को कहा। अधिकांश प्रधानाचार्यों ने बताया कि उनके विद्यालयों के परिणाम अब 75% से अधिक हो गए हैं, जबकि कुछ विद्यालय अभी भी 75% से नीचे हैं।

डॉ. बिष्ट ने प्रधानाचार्यों से यह भी पूछा कि बोर्ड परीक्षा में विद्यार्थियों के कमजोर प्रदर्शन को दूर करने के लिए उन्होंने क्या कदम उठाए हैं। इस पर कुछ प्रधानाचार्यों ने अपनी पहलें एवं समस्याएँ साझा कीं।

- एक प्रधानाचार्य ने बताया कि विद्यार्थियों की कम उपस्थिति के कारण प्रदर्शन प्रभावित हो रहा है।
- कुछ प्रधानाचार्यों ने बताया कि लगभग 45% विद्यार्थी अपने माता-पिता के साथ कार्य करते हैं।
- एक प्रधानाचार्य ने बताया कि शिक्षण के अलावा अन्य शासकीय कार्यों के कारण कक्षा शिक्षण के दिन कम हो रहे हैं।

इसके पश्चात DIET प्राचार्य ने **मिशन शिक्षा शक्ति** के अंतर्गत बोर्ड परीक्षा परिणाम सुधारने एवं कम उपस्थिति की समस्या के समाधान हेतु प्रमुख कार्य योग्य बिंदु साझा किए। उन्होंने सभी प्रधानाचार्यों से प्रत्येक विषय शिक्षक के प्रदर्शन का विश्लेषण कर विवरण प्रस्तुत करने को कहा, जैसे–कौन शिक्षक कौन सा विषय पढ़ा रहा है और संबंधित शिक्षक के विषय का परिणाम क्या रहा है।

उन्होंने कमजोर प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों के लिए सुधारात्मक कार्ययोजना बनाने, मार्गदर्शन देने तथा अच्छा प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों के लिए पुरस्कार/प्रोत्साहन योजनाएँ प्रारंभ करने का सुझाव दिया। साथ ही DIET द्वारा संचालित विभिन्न प्रशिक्षणों की जानकारी दी, जैसे–ऑनलाइन STEM लैब का उपयोग कर प्रयोगों का प्रदर्शन।

डॉ. बिष्ट ने बोर्ड परीक्षा में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थियों के लिए **"बाल सखा"** जैसे कैरियर काउंसलिंग सत्रों के आयोजन की आवश्यकता पर बल दिया तथा सभी प्रधानाचार्यों को अपने-अपने विद्यालयों में ऐसे सत्र आयोजित करने का सुझाव दिया।
उन्होंने विद्यालय के पूर्व छात्र (Alumni) समूहों को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता भी बताई, ताकि सफल पूर्व छात्र विद्यार्थियों को प्रेरित करने हेतु व्याख्यान या पुरस्कार कार्यक्रम आयोजित कर सकें।

चाय अवकाश के पश्चात **मुख्य शिक्षा अधिकारी (CEO) श्री के.एस. रावत** ने प्रतिभागियों को संबोधित किया। उन्होंने निम्न बिंदुओं पर जोर दिया–

- परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2024 में जनपद ऊधम सिंह नगर का स्थान 12वां है। उन्होंने सभी प्रधानाचार्यों से आत्ममंथन करने को कहा कि हमारे विद्यालय अपेक्षित स्तर से नीचे क्यों हैं और क्यों इन 26 विद्यालयों को लगातार कमजोर बोर्ड परिणामों के कारण इस बैठक में बुलाया गया है।

- उन्होंने कुछ विद्यालयों (जैसे GIC बाजपुर गाँव, GIC बेरिया दौलत, GHS फतेहगंज, GHS मिदनापुर, GIC जयनगर, GHS कुल्हा आदि) के हालिया अभिक्षमता परीक्षण में कमजोर प्रदर्शन पर भी विचार करने को कहा। इस पर कुछ शिक्षकों ने अपने विचार साझा किए। CEO ने बताया कि वे इस विषय पर विद्यालयवार विश्लेषण करेंगे।

- प्रधानाचार्यों को CEO द्वारा भेजे गए व्हाट्सएप संदेशों पर त्वरित प्रतिक्रिया देने के निर्देश दिए गए।

- CEO ने बल दिया कि प्रत्येक प्रधानाचार्य को यह विश्लेषण करना होगा कि कमी कहाँ है–प्रणाली में, विद्यालय नेतृत्व में, शिक्षक वर्ग में या विद्यार्थियों में।

- प्रत्येक प्रधानाचार्य को कमजोर प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए रणनीति एवं कार्ययोजना बनानी होगी तथा प्रत्येक विषय शिक्षक एवं विद्यार्थी के प्रदर्शन की निगरानी हेतु योजना विकसित करनी होगी।

अगली बैठक से पूर्व प्रत्येक प्रधानाचार्य को निम्न कार्य सौंपे गए–

1. बोर्ड परीक्षा परिणामों का विश्लेषण
2. प्रत्येक विषय में 100% परिणाम प्राप्त करने हेतु सुधारात्मक कार्ययोजना
3. प्रत्येक विषय में विद्यार्थियों की दक्षताओं में सुधार हेतु कार्ययोजना

बैठक के अंत में कुछ प्रधानाचार्यों ने विषय शिक्षकों एवं अद्यतन बोर्ड परीक्षा परिणामों से संबंधित विद्यालयवार डेटा जमा किया। बैठक का समापन इस अनुरोध के साथ हुआ कि सभी प्रधानाचार्य आगामी बैठक (प्रस्तावित दिनांक **3 नवंबर 2025**) में विभिन्न विषय शिक्षकों द्वारा विकसित विषयवार कार्ययोजना प्रस्तुत करेंगे।